डायमण्ड कॉमिक्स

D-47

Rs. 4/-
Diamond Comics

फौलादी सिंह और पृथ्वी के चोर

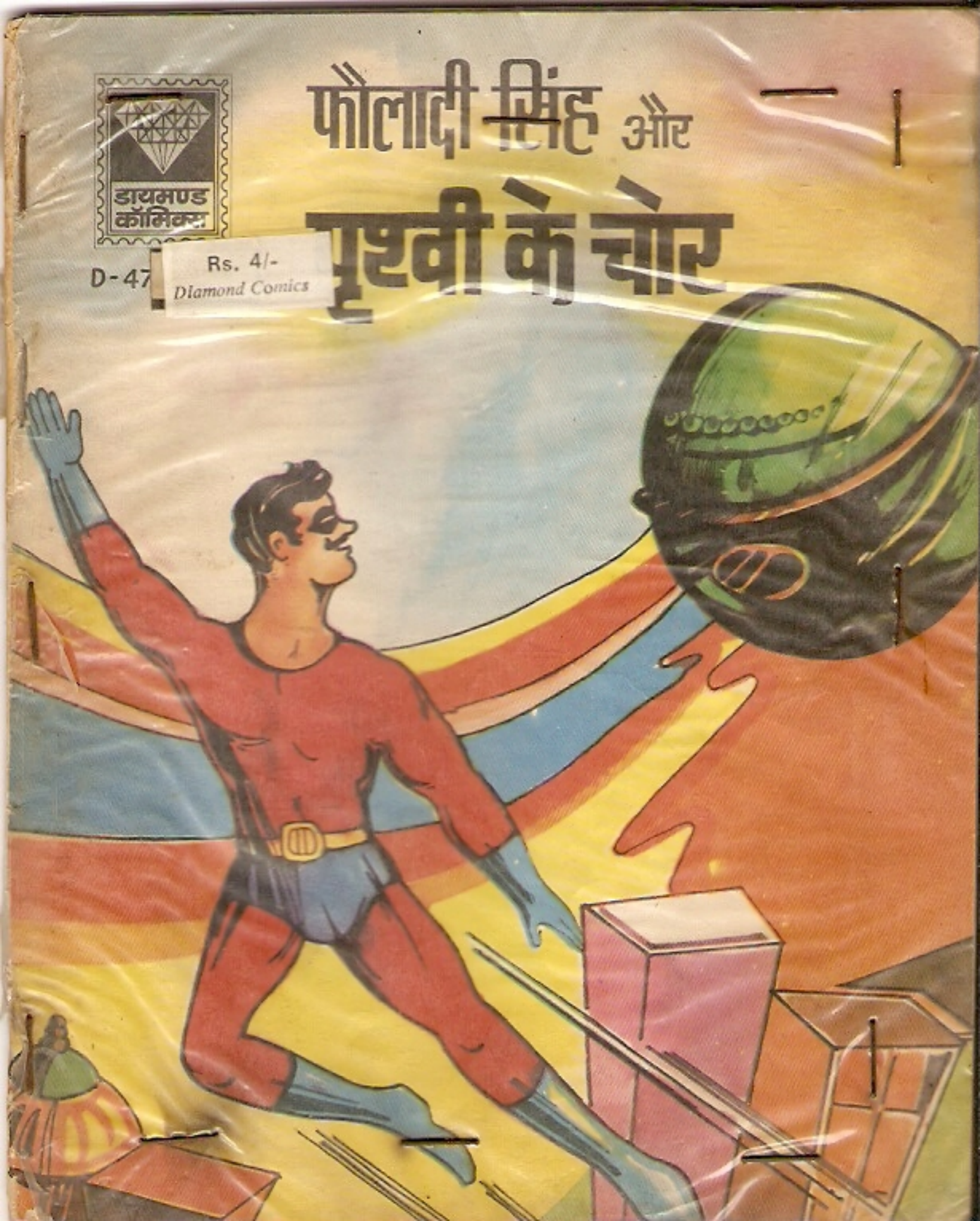

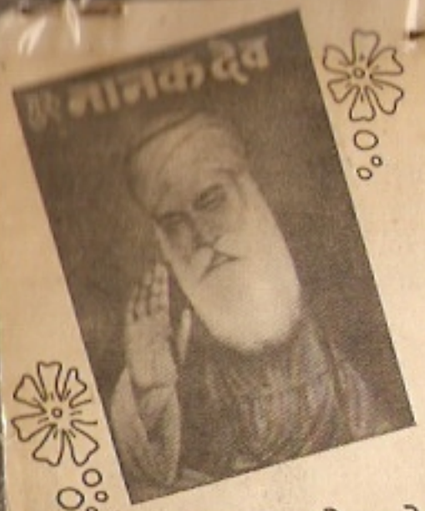

१६

दस सिख गुरुओं की रोचक जीवनियाँ •••

लेखक: प्रियदर्शी प्रकाश

सिख इतिहास की बड़ी गौरवशाली परम्परा रही है। प्रत्येक गुरु का जीवन दर्शन अध्यात्म आलोक से अत्यन्त ओत प्रोत रहा है। जिसकी रश्मियां आज भी मानव मात्र को सात्विक जीवन जीने की प्रेरणा देती हैं। त्याग प्रेम और भक्ति से ओत प्रोत गुरुओं का जीवन चरित्र मार्मिक और प्रेरणादायक तो है ही, साथ ही रुचिकर भी है।

— सिख गुरुओं की श्रद्धेय जीवनियाँ —

- गुरु नानक देव
- गुरु अंगद देव
- गुरु अमर दास
- गुरु राम दास
- गुरु अर्जुन देव
- गुरु हर गोविन्द
- गुरु हरि राय
- गुरु हर कृष्ण
- गुरु तेगबहादुर
- गुरु गोविन्द सिंह

प्रत्येक का मूल्य 2.00

© प्रकाशकाधीन

प्रकाशनः डायमंड कामिक्स 2715 दरिया गंज नई दिल्ली-110002
सम्पादकः गुलशन राय
मुद्रकः जे. प्रिन्ट पैक प्रा० लि० 8/39 कीर्तिनगर इन्ड स्ट्रियल एरिया. नई दिल्ली

फौलादी सिंह और पृथ्वी के चोर

रात के गहन अन्धकार में सुदूर अन्तरिक्ष से एक विचित्र यान पृथ्वी के एक सुनसान इलाके में मँडराता है।

New India E.L.C.T. and Comics Store
Jandiala Road, AMRITSAR (Amr.)

तभी उसमें से तीव्र रोशनी की एक किरण फूटकर पृथ्वी पर पड़ती है ....

और वहाँ एक विशाल गड्ढा बन जाता है। फिर ज़मीन से पानी का झरना फूट पड़ता है...

और कुछ ही घण्टों में वह गड्ढा एक विशाल सरोवर का रूप ले लेता है।

दूसरे दिन सुबह ही यह खबर बिजली की तरह सारे शहर में फैल जाती है।

कल वहाँ मैदान था। आज एक विशाल सरोवर! रातों रात!

कमाल है!

और यह खबर अखबारों, रेडियो, टी.वी. आदि पर प्रसरित होती है –

हज़ारों की तादाद में लोग उस चमत्कारिक सरोवर को देखने जमा होने लगे।

आश्चर्यजनक

किसी भूत-प्रेत की लीला लगती है!

रातों रात इतना विशाल सरोवर तैयार करना मनुष्य के बस की बात नहीं है।

एक वैज्ञानिक दल वहाँ तुरन्त ही पहुँचता है और जाँच-पड़ताल करता है।

सरोवर के किनारे की ज़मीन ऐसी लगती है जैसे किसी ने उसे किसी पैने औज़ार से काटा हो।

यदि यह सरोवर प्राकृतिक रूप से बना होता तो पृथ्वी के भीतर की हलचल हमारी प्रयोगशाला में दर्ज हो जाती।

पर इतने विशाल सरोवर के निर्माण में तो सरोवर के लगभग 50 मील के क्षेत्र में भयंकर भूकम्प आना चाहिये था !

पर फिर भी इतने बढ़िया ढंग से कटावदार सरोवर का निर्माण कठिन था !

दूसरे दिन रात में फिर एक यान एक विशाल पहाड़ पर अपनी शक्तिशाली किरणें फैंकता है ...

कुछ ही क्षणों में वह ऊँचा पर्वत नष्ट हो जाता है और वहाँ पर एक बड़े मैदान का निर्माण हो जाता है ।

दूसरे दिन वहाँ पर भेड़ों को चराने वाला चरवाहा आता है तो पहाड़ की जगह मैदान देख कर आश्चर्य चकित रह जाता है ।

अरे यहाँ का पहाड़ कहाँ गया ! बाप रे !!

वह पास के थाने में जाकर रिपोर्ट करता है ...

साब ! वहाँ का केसरी पहाड़ ग़ायब हो गया

पागल हो गया है क्या ?

पुलिस इंसपेक्टर वहाँ जाकर स्वयं देखता है तो दंग रह जाता है ...

अरे ! पहाड़ तो सचमुच गायब हो गया है ! विज्ञान सभा में फोन करूँ, तुरन्त !

वहाँ भी वैज्ञानिक पहुँचकर जाँच करते हैं ....

पहाड़ की चोटी की सतह तो यही है।

इसका मतलब है, पहाड़ पूरा ज़मीन के अन्दर धँस गया!

अखिर यह हो कैसे रहा है?

किसी बाहरी ज़बरदस्त शक्ति का इसमें हाथ लगता है। हमें सतर्क हो जाना चाहिये।

अब हमें इसकी छानबीन गम्भीरता से शुरू कर देनी चाहिये।

हमें सबसे पहले डॉक्टर जॉन को खबर करनी चाहिये। वही कोई मार्ग सुझा सकते हैं।

सब वैज्ञानिक मिलकर डॉक्टर जॉन के पास पहुँचते हैं ....

यह तो बड़ी गम्भीर घटनायें हैं! पृथ्वी का विज्ञान इतना बड़ा अजूबा कर नहीं सकता !!

आपका मतलब है, किसी बाहरी ग्रह ने यह सब किया है।

बिल्कुल! हमें राडारों तथा अन्य सूक्ष्म यन्त्रों को अंतरिक्ष की टोह लेने लगा देना चाहिये। यह ख़तरा एक देश को नहीं, सारे संसार का है।

और संसार की सभी बड़ी-बड़ी प्रयोगशालायें अंतरिक्ष की ओर विशेष रूप से अपने यन्त्र मोड़ देती हैं।

डॉ॰ जॉन अन्य सहयोगी वैज्ञानिकों तथा फौलाद-लम्बू के साथ अपनी प्रयोगशाला के कंट्रोल रूम में बैठे बातचीत कर रहे थे कि तभी बाहर एक तीव्र प्रकाश की चमक दिखाई देती है .....

अरे ! यह तीव्र रोशनी कहाँ से आ रही है ? बाहर देखे !

वे लोग प्रयोगशाला से निकलकर बाहर आते हैं तो उन्हें एक सफेद गोला आकाश में दिखाई देता है !

यह चन्द्रमा की तरह की क्या चीज है ?

तभी उस गोले में एक अजीब से प्राणी की तस्वीर अभरती है! सब लोग भौंचक्के रह जाते हैं!!

अरे! यह आकृति कैसे प्रकट हो गयी ?...अब समझा...किसी दूसरे जगह का यान है यह..

कितना अजीब प्राणी है!

तभी उस प्राणी ने बोलना शुरू किया...

पृथ्वीवासियो ! हम टोरो ग्रह के वासी है। पृथ्वी का जलवायु हमारे ग्रह से मिलता जुलता है। हमें पृथ्वी पर रहने के लिये जगह दो। हम तुम्हारे दोस्त बन कर रहेंगे। यदि इंकार किया तो पृथ्वी को नष्ट कर देंगे। पृथ्वी को नष्ट करने में हमारे शस्त्र सक्षम हैं। इसका प्रयोग हम कर चुके हैं।

तुम हमारी पृथ्वी पर क्यों रहना चाहते हो ?

ताकि हम यह जान सकें कि हमारे लोग यहाँ के जलवायु में कितने दिन जीवित रह सकते हैं ?

संसार के बड़े-बड़े देशों से आये प्रतिनिधि वैज्ञानिकों में हलचल मच गई।

डॉ॰जॉन, इनका इरादा नेक नहीं लगता !

शायद ये पृथ्वी को हड़पने की साजिश कर रहे हैं।

AZAD BOOK DEPOT
Hall Bazar, Amritsar,

तुम लोग यदि शांति से हमें जगह नहीं दोगे तो हम पृथ्वी से जीवन समाप्त कर देंगे। सोचने के लिए तुम्हें दो दिन का समय दिया जाता है। नाश या जिन्दगी दोनों में से एक को चुनना होगा!

इतनी जल्दी हम कैसला नहीं कर पायेंगे। हमें कम से कम एक सप्ताह का समय चाहिये।

फौलाद डॉ० जॉन के पास आता है—

अंकल यदि आप कहें तो ऊपर जाकर इसे पृथ्वी पर घसीट लाता हूँ सब भूल जायेगा!

नहीं फौलाद! हालात बड़े गंभीर है। हम जरा सी उत्तेजना से सारी पृथ्वीको संकट में नहीं डालना चाहते। हमें सोच समझ कर होशियारी से कोई रास्ता निकालना होगा। इनके हथियार शक्तिशाली हैं, यह हम देख चुके हैं।

पर सेना की प्रयोगशाला से कुछ अधिकारी इस गोले को देख लेते हैं—

अरे! यह विचित्र गोला क्या हैं?

किसी अज्ञात ग्रह से आया है। शायद इसी ने उस पहाड़ को गायब कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन हमें दिखाया है।

तुरन्त लड़ाकू विमान भेजकर इसे नष्ट कर दो।

और देखते ही देखते कई लड़ाकू विमान गोले की ओर चल देते हैं.....

गोला ऊँचा उठ जाता है....

गोले में से वह अजीब प्राणी गुर्राता है। डॉ०जॉन तथा अन्य वैज्ञानिक चौंक पड़ते हैं!!

तो तुम लोगों ने मुझ पर हमला कर ही दिया। मैं इसका मज़ा अभी चखाता हूँ।

यह हमारे आदेश पर नहीं हुआ है। हम तो तुमसे बातचीत करना चाहते हैं। ओह.... यह किसकी करतूत है?.... जल्दी उन्हें रोकने की कोशिश करो!

लड़ाकू विमानों ने गोले पर शस्त्र छोड़ने शुरू कर दिये।

लेकिन सब व्यर्थ था।

तभी गोले से एक किरण निकली और एक विमान से टकराई तो..

विमान भयंकर विस्फोट के साथ नष्ट हो गया।

धूं

डॉ० जान तथा अन्य वैज्ञानिक दूरबीन से इस युद्ध को देखते हैं।

ओह! यह तो बहुत बुरा हुआ। ये सेना के विमान हैं। उन्हें तुरन्त वापिस होने का आदेश देना चाहिये।

डॉ० जान फोन से सेना अधिकारी से बात करते हैं।

हलो कमाण्डर! यह आपने क्या किया? सारी पृथ्वी संकट में फँस जाएगी। विमानों को वापिस बुलाओ। मैं डॉ० जॉन हूँ।

सर, देश को बचाना हमारा भी कर्त्तव्य है। हमने सोचा कहीं यह हमला न कर दे। इससे हमनें हमला किया।

तुरन्त विमानों को वापिस बुलाओ। इस ग्रह के वासी बहुत शक्तिशाली हैं। हम ख़तरा मोल नहीं ले सकते। हमारे विमान खिलोनों की तरह नष्ट हो जायेंगे।

ओ० के० सर! मैं अभी मैसेज भेजता हूँ।

और उधर गोले से निकली किरणों ने दो और विमानों को ध्वस्त कर दिया।

एक लड़ाकू विमान के अंदर के सैनिक गोले पर हमला करके आश्चर्य चकित थे...

अजीब किस्म का गोला-यान है यह। हमारे शस्त्रों की मार से इस पर खरोंच तक नहीं आई है !!

इस बार एक साथ कई शस्त्रों को गोले पर छोड़ें!

गोले पर एक साथ कई शस्त्रों का प्रहार होता है पर उसका कुछ नहीं बिगड़ता।

तभी वायरलैस पर आदेश आता है...

हलो !..... यस सर ! क्या ? आक्रमण बन्द कर वापिस आ जायें ! पर... अच्छा सर ठीक है ! हम वापिस आ रहे हैं !

आदेश मिलते ही लड़ाकू विमान वापिस लौट जाते हैं।

गोला नीचे की ओर आता है और उसमें से वह ग्रहवासी फिर प्रकट होता है....

तुम लोगों ने आक्रमण करके हमें उत्तेजित कर दिया है। क्या तुम पृथ्वी पर जीवित नहीं रहना चाहते ?

यह आक्रमण अनजाने में हुआ। हमारी उस सेना टुकड़ी को पता नहीं था। हम वार्ता करने को तैयार हैं।

ठीक है। आप अपना प्रतिनिधि हमारे पास भेजो।

हम दो दिन बाद अपना प्रतिनिधि आपके पास भेजेंगे।

गोला तेजी से आकाश में ऊँचा उठकर गायब हो जाता है!

हमें ऐसा प्रतिनिधि भेजना चाहिये जो अपनी बुद्धि से सही निर्णय लेकर बात कर सके। साथ ही निडर और बहादुर भी हो।

केवल फौलाद ही यह काम हल कर सकता है।

हम और देशों के प्रतिनिधि बुलाकर इस मामले पर विचार करें और जो निर्णय हो वह फौलाद को बता कर उनके पास भेजें।

यही उचित होगा!

कुछ दिन बाद दूसरे देशों के प्रतिनिधियों की एक आपात-बैठक बुलाई जाती है। और इस गंभीर मामले पर विचार किया जाता है।

हम उनका यहाँ रहना बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे।

इससे हमेशा खतरा बना रहेगा।

पर इंकार करने पर हमें युद्ध का सामना करना पड़ेगा। और उनके सामने हमारे हथियार खिलौनों की तरह टूटकर रह जायेंगे।

असल में हमें वह कारण खोजना होगा जिसकी वजह से वे यहाँ रहने की ज़िद कर रहे हैं।

हाँ, यह बात ठीक है। उनके इस कारण को खोजकर यदि उसका हल हमने उन्हें बता दिया तो शायद वे यहाँ रहने का इरादा छोड़ दें।

तो निर्णय यही रहा कि उन्हें यहाँ रहने नहीं देना है - दूसरे उनके यहाँ आकर रहने के कारण को खोजकर उसका हल उन्हें बताना है, ताकि वे यहाँ रहने की ज़िद छोड़कर अपने ग्रह में ही आराम से रह सकें।

दो दिन बाद वह गोला यान फिर प्रकट होता है। और उसके ऊपर उस ग्रहवासी की छाया उभरती है। डॉ० जॉन ने फौलाद को अच्छी तरह समझा दिया था। अन्य वैज्ञानिक भी वहाँ उपस्थित थे।

तुम्हारा प्रतिनिधि तैयार है?

हाँ, हम अपना प्रतिनिधि भेजने को तैयार हैं!

गोले से एक चौड़ी किरण पृथ्वी पर पड़ती है।

इस किरण पर अपना प्रतिनिधि खड़ा कर दो। वह हमारे पास खिंच आएगा।

मैं स्वयं ही तुम्हारे पास उड़कर आऊँगा, टोरो ग्रह के वासी। पृथ्वी-वासी भी विज्ञान में किसी ग्रह से कम नहीं हैं।

फौलाद अपने बैल्ट का बटन दबाता है और वह तेजी से उस गोले की ओर बढ़ता है। लम्बू जेब में मौजूद था।

गोले का दरवाजा फौलाद के लिये खुल गया और फौलाद तेज़ी से अन्दर घुस गया।

गोले के अन्दर और भी ग्रहवासी अजीब से यन्त्रों पर बैठे काम कर रहे थे। कुछ हाथों में हथियार लिये थे। फौलाद ठीक उनके बीच में जाकर उतरा।

लो, मैं आ गया हूँ।

कमाल है! तुम अकेले आकाश में उड़ने की शक्ति रखते हो!!

तो क्या तुम लोग पृथ्वी वासियों को कमज़ोर समझते हो!

टोरो ग्रह का मैं सैनापति गुंथर हूँ। तुम्हारा नाम फौलाद है। तुम हमें रहने के लिये पृथ्वी का कौन सा भाग दोगे ?

गुंथर ! हम पृथ्वी पर किसी भी बाहरी ग्रह के लोगों को नहीं रहने देना चाहते। फिर भी तुम पहले इसका कारण बताओ, तुम्हें अपने ग्रह पर क्या तकलीफ़ है ?

ग्रहवासी गुंथर फौलाद के नज़दीक आया। उसका चेहरा क्रोध से तमतमाने लगा।

तुम कारण क्यों पूँछ रहे हो ? मेरे प्रस्ताव पर विचार करो केवल।

हो सकता है तुम्हारी तकलीफ़ को हम पृथ्वीवासी दूर कर सकें और तुम्हें हमारी पृथ्वी पर रहने के लिये मज़बूर न होना पड़े।

इस पर गुंथर बड़ी ज़ोर से हंसा !

तुम हमारी क्या मदद कर सकते हो ? तुम्हारा इतना विकास ही कहाँ हुआ है ?

बस, हम तुम्हारी समस्या हल करने में ही मदद दे सकते हैं। पृथ्वी पर रहने की जगह नहीं !

गुंथर यह सुनकर आग बबूला हो गया....

जानते हो ? यह कहकर तुम कितनी बड़ी मुसीबत मोल ले रहे हो ?

नाराज़ मत हो गुंथर। यह तो मेरा निर्णय है। मैं वापिस लौटकर अपने अधिकारियों से विचार विमर्श करूँगा। हो सकता है वे तुम्हें रहने की जगह दे दें। मैं अब चलता हूँ।

गोले का द्वार खुला और फौलाद पृथ्वी पर वापिसी के लिये चला....

जाते जाते सुनते जाओ— हम किसी मज़बूरी से नहीं, बल्कि अपने ग्रहवासियों को पृथ्वी पर बसाने के लिये यह योजना बना रहे हैं। हमारा ग्रह बहुत छोटा है।

मैं अपने अधिकारियों को यह सब बताऊँगा !

फौलाद ने दूर से ही पृथ्वी की ओर छलाँग लगा दी।

फौलाद तेजी से पृथ्वी पर आकर वहाँ उतरा जहाँ बाग़ में सारे वैज्ञानिक और अधिकारी उसका बैचेनी से इंतज़ार कर रहे थे।

डॉ० जॉन आगे बढ़े...

क्या हुआ फौलाद ?

वे पृथ्वी पर धीरे-धीरे बसने की योजना बना रहे हैं। हमें कोई उपाय खोजना होगा।

हम उनका मुकाबला केवल परमाणु और न्यूट्रॉन बमों से ही कर सकते हैं। पर इन बमों से पृथ्वी को भी उतना ही नुकसान होगा।

निसंदेह, पृथ्वी का वायुमण्डल विष से दूषित हो जायेगा, लोग साँस लेने के लिये तरस जायेंगे।

क्यों ? ऐसा क्यों ?

हमें इन बमों का प्रयोग अधिकतर आकाश में ही करना होगा, इसलिये वायु मंडल पर ही ज़्यादा प्रभाव पड़ेगा।

फौलाद सोच में पड़ जाता है।

इसका मतलब है, यदि हम आक्रमण करें तो भी मुसीबत और न करें तो भी। इधर कुआँ और उधर खाई॥

लेसर शस्त्र भी थोड़े प्रभावशाली हो सकते हैं पर वे हमारे पास ना के बराबर हैं। खैर अब आप लोग जाइये, कल हम कुछ और उपाय निकालें।

फौलाद अपने पलंग पर लेटा था, पर उसकी आँखों में नींद नहीं थी। लम्बू उसी के पास बैठा था।

यही एक ऐसा समय है जब हमें मीशा की सहायता लेनी चाहिये।

कौन मीशा ? अच्छा वह अल्टास की राजकुमारी। उससे तो हम अंगूठी के ज़रिये भी बात कर सकते हैं।

फौलाद अपने हाथ की वह अंगूठी देखता है जो उसे अल्टास की राजकुमारी ने दी थी। और साथ ही फौलाद को एक अण्डा-यान भी दिया था। 'विचित्र अण्डा' और 'डोलोर का अन्त' में इनकी कहानी है।

लगता है इस ख़तरनाक चक्र से मीशा ही हमें निकाल सकती है, मैं उससे सम्पर्क करता हूँ।

इन ग्रहवासियों से निपटने में शायद वह हमारी उचित मदद कर सकती है

फौलाद अंगूठी को चूम कर जैसे ही मीशा का ध्यान करता है वह अंगूठी में प्रकट हो जाती है।

मीशा!

हाँ, फौलाद! तुमने मुझे याद किया और मैं चली आयी। लगता है तुम्हें मेरी ज़रूरत है।

हाँ मीशा, तुम फौरन मेरे पास चली आओ!

मैं पन्द्रह मिनट में तुम्हारे पास पहुँच जाऊँगी। अच्छा विदा॥

और कुछ देर में मीशा असली रूप में फौलाद के सामने प्रकट होती है।

लो, मैं आ गई!

मीशा! टोरो नाम का एक ग्रह है। उसके निवासी पृथ्वी पर बसना चाहते हैं। उन्होंने धमकी दी है कि यदि हमने उन्हें जगह नहीं दी तो वे पृथ्वी को नष्ट कर देंगे।

तुम चिंता मत करो। हमारे ग्रह से दूर, यह एक छोटा ग्रह है। वह कुछ न कर सकेगा। मैं अभी पता करती हूँ कि क्या गड़बड़ है?

पर टोरो ग्रह के सेनापति के पास बड़े ज़बरदस्त हथियार हैं। उसने हमारे एक विशाल पहाड़ को क्षण भर में पिघला दिया।

मीशा ध्यान लगाती है - और कुछ ही देर में फौलाद को बताती है....

फौलाद, बात तो थोड़ी गंभीर है ही। फिर भी चिन्ता की बात नहीं है।

फौलाद मीशा के पास आकर खड़ा हो जाता है।

क्या बात है मीशा ?

टोरो ग्रह का सेनापति गुंथर अपने ग्रह से शक्तिशाली शस्त्र चुराकर भागा है। टोरो ग्रह पृथ्वी पर अधिकार नहीं करना चाहता। यह तो गुंथर की ही चाल है। वह अपने साथियों के साथ पृथ्वी पर बसने की नहीं छुपने की जगह चाहता है, क्योंकि वह अब टोरो वापिस नहीं जा सकता।

ओह! यह बात है॥

खतरनाक हथियारों से पृथ्वी को बचाने के लिये हम उसी के यान में चलेंगे। मैं अदृश्य रहकर तुम्हारे साथ रहूँगी।

दूसरे दिन वह गोला जैसे ही प्रकट होता है- फौलाद - लम्बू तथा अदृश्य मीशा के साथ उसमें प्रवेश करता है।

फौलाद के आते ही गुंथर अपने सिंहासन से उठकर खड़ा हो जाता है।

कहो पृथ्वीवासी, हमारी बात मान ली न ? हमारी शक्ति से तुम लोग घबरा गये हो न ?

नहीं गुंथर! यह तुम्हारी भूल है। हम तुम्हें पृथ्वी पर रहने की इजाज़त नहीं दे सकते।

गुंथर क्रोध से थरथर काँपने लगता है।

यान का दरवाज़ा बन्द कर दो। अब यह कीड़ा पृथ्वी पर ज़िन्दा वापिस नहीं जायेगा।

यह कोई न्याय नहीं है गुंथर! मैं पृथ्वी का दूत बनकर तुम्हारे पास आया हूँ। दूत को कोई कैद नहीं करता।

बकवास बन्द करो! मैं तुम्हें अपने यान से पृथ्वी का विनाश दिखाऊँगा। उसके बाद तुम्हें इस गहन अन्तरिक्ष में भटकने के लिये छोड़ दूँगा। अन्तरिक्ष के कीड़े तुम्हारा भक्षण करेंगे। रक्षको—! इसे ले जाओ एकान्त कक्ष में !!

हाँ गुंथर! तुम जैसे भगोड़े से और क्या उम्मीद की जा सकती है।

फौलाद के शब्द सुनते ही गुंथर चौंक पड़ता है !

हूँ ! इसने मुझे भगोड़ा कहा। क्या यह जानता है कि मैं टोरो से भागा हूँ और छिपने की जगह तलाश कर रहा हूँ ? नहीं.. नहीं.... उसे क्या मालूम ? उनका विज्ञान इतना उन्नत कहाँ ? उसके मुँह से ऐसे ही निकल गया होगा। प्रश्न पूँछकर इस बारे में क्यों बात बढ़ाऊँ ?

Oooo

दो अजीब प्राणी फौलाद को ले जाकर एक एकान्त कक्ष में पहुँचा देते हैं। लम्बू जेब से बाहर निकलता है।

गुरू ! हम फँस गये लगता है !

अब या तो हम नष्ट होंगे या यह !

यह क्या कह रहे हो फौलाद ? मैं तुम्हारे साथ हूँ - क्या यह भूल गये ?

ओह ! हाँ, मीशा तो है हमारे साथ ! मीशा, वह पृथ्वी को जलाने की योजना बना रहा है !!

यदि हम उनके ऊर्जा-यन्त्र में से सूर्य की किरणों का इकट्ठा किया हुआ ताप निकाल सकें तो वे पृथ्वी का दो-तीन दिन तक कुछ नहीं बिगाड़ सकेंगे, क्योंकि सूर्य की गर्मी को इकट्ठा करने में उन्हें समय लगेगा।

चलो मीशा ! हम प्रयत्न करते हैं।

वहाँ दो-चार रक्षकों को शायद मारना पड़ जाये। हाँ, एक बात है फौलाद ! जहाँ तक संभव होगा मैं अदृश्य रहकर ही सब कुछ करूँगी। तुम कहीं गुंथर के सामने मेरा नाम न ले देना। वरना भय है कि कहीं गुंथर मेरे क्षेत्र के ग्रहों में विद्रोह न फैला दे।

मीशा और फौलाद यान के टेढ़े-मेढ़े गलियारों और सीढ़ियों से ऊर्जा यन्त्र की खोज में बढ़ते हैं। मीशा अपनी प्रबल मानसिक शक्ति से रास्ता खोजकर उसे बता रही है।

हम यन्त्र के लगभग करीब आ गये हैं। सीधे हाथ की ओर मुड़ना है। होशियार ! वहाँ पहरेदार अवश्य होंगे !

उन्हें मैं बिना आवाज़ किये ही हमेशा के लिये सुला दूँगा !

और उधर गुंथर अपने प्रमुख शस्त्र-चालकों को निर्देश देता है।

कल सूर्योदय से पहले ही सूर्य किरणों की बौछार पृथ्वी पर शुरू कर दो। मेरा ख़्याल है, एक बार की बौछार में आधी पृथ्वी पूरी तरह नष्ट हो जायेगी।

बिल्कुल !

तो जाओ, और उर्जा यन्त्र का मुँह सुबह होते ही पृथ्वी की ओर खोल देना। पृथ्वीवासी फौलाद को भी हम यह नज़ारा दिखायेंगे।

जैसा आदेश गुंथर महान! पर... यदि हमने पृथ्वी जैसे ग्रह को नष्ट कर दिया तब हम कहाँ रहेंगे? पृथ्वी जैसा नज़दीक और कोई हमारे लायक ग्रह भी तो नहीं!

शायद आधी पृथ्वी नष्ट होने पर बाकी लोग फिर से इस बात पर विचार करें!

ठीक है, गुंथर महान!

और उधर फौलाद दबे पाँव आकर फुर्ती से उर्जा-यन्त्र के कमरे के बाहर खड़े पहरेदार को दबोच लेता है। उसके एक ही वार में वह धराशायी हो जाता है।

चलो, रास्ता साफ़ हुआ!

फौलाद कमरे के अन्दर जाता है। मीशा भी अदृश्य रूप में उसके साथ अन्दर जाती है। वहाँ एक विचित्र आकार का विशाल यन्त्र लगा था।

देखो फ़ौलाद, यही वह ख़तरनाक यन्त्र या कह लो शस्त्र है, जिसके द्वारा वह पृथ्वी नष्ट करने की बात कहता है।

शायद इसी यंत्र से इसने पृथ्वी का पहाड़ जलाया होगा। इसी से वह विशाल सरोवर भी बनाया होगा। काश वह इसका उपयोग अच्छे कामों के लिये कर सके!

फौलाद! वह ऊपर जो बड़ा पहिया जैसा दिखाई दे रहा है न, उसे घुमा दो।

फौलाद यन्त्र के ऊपर चढ़कर उस पहिये को घुमाता है। सूर्य की किरणों की गर्मी निकलती जाती है।

फौलाद, जल्दी-जल्दी घुमाओ। कोई इधर आ न जाये।

New India E.L.C.J. and Comics Store
Jandiala Road

फिर फौलाद नीचे कूद जाता है और वे अपने कक्ष की ओर बढ़ते हैं .....

अब तुम्हारी पृथ्वी सुरक्षित है।

क्यों न हम इस यन्त्र को तोड़ डालें।

अभी वक्त नहीं आया है। इस यन्त्र को तोड़ने से यह यान झटका खाएगा। हो सकता है यह अपना मार्ग छोड़कर किसी तारे से टकराकर नष्ट हो जाये। पर यह सब आसान नहीं है।

तभी उधर से छह-सात रक्षकों का दल आता है। फौलाद एक ओर छुप जाता है।

अब क्या करें मीशा। वे हमें देख लेंगे। और कोई रास्ता भी नहीं।

बहरा, मैं जाती हूँ।

मीशा ध्यान लगाती है फिर फौलाद को उपाय बताती है ....

फौलाद, तुम्हारे दायीं तरफ जो बटन दिख रहा है, उनके आठ-दस कदम पास आते ही दबा देना। बस।

ये रक्षक फौलाद को देख लेते हैं। फौलाद उनके दस कदम पास आते ही बटन दबा देता है।

अरे। यह पृथ्वीवासी यहाँ। पकड़ो उसे!!

अह!

यह क्या हुआ? बचाओ!!

बटन दबते ही नीचे का फर्श एक ओर खिसक जाता है। और वे सब उसमें गिर पड़ते हैं!!

फर्श अपने आप जगह पर आ जाता है। फौलाद हैरान होकर देखता ही रह जाता है !!

नहीं, वे लोग यान से बाहर अंतरिक्ष में गिर पड़े हैं। वे वापिस नहीं आ सकते। वह देखो —

क्या नीचे तलघर है ?

और यान से बाहर वे लोग अन्तरिक्ष में गुलाँटे खाते हुये दूर बह गये।

फौलाद और अदृश्य मीसा फिर आगे बढ़ते हैं-

और अपनी जगह पर आ जाते हैं।

मीशा, तुम्हारी सहायता से मैं अपनी प्यारी पृथ्वी को बचा पाऊँगा। तुम्हारा यह एहसान मैं जिन्दगी-भर नहीं भूल पाऊँगा।

ऐसा मत कहो फौलाद। जब हम लोग अशक्त थे, हमारा ग्रह शत्रुओं ने छीन लिया था, तब तुम्हीं ने हमें जीवन दिया था। अब हमारी सारी शक्तियाँ वापिस आ गयी हैं तो मैं अपना कर्त्तव्य कैसे भूल सकती हूँ ?

और उधर दूसरा दिन होते ही फौलाद के कक्ष में गुंथर अपने रक्षकों के साथ आता है।

उठो, पृथ्वीवासी। और अपनी आँखों से पृथ्वी के नष्ट होने का नज़ारा देखो। ऐसे सुहाने दृश्य फिर जीवन में कभी देख न पाओगे !

गुंथर, तुम ऐसा नहीं कर सकते !

रक्षको ! इसे घसीट कर यान की खिड़की तक ले चलो !

गुंथर, इसकी ज़रूरत नहीं। मैं खुद चलता हूँ।

गुंथर फौलाद को यान की एक विशाल काँच की खिड़की तक ले जाता है। उस कक्ष में बहुत से यन्त्र लगे थे। गुंथर एक बटन दबाता है।

अभी सूर्य किरणें अपना चमत्कार दिखायेंगी।

गुंथर के बटन दबाते ही एक स्क्रीन पर अजा यन्त्र चालक की तस्वीर उभरती है।

अमीबा! तुमने यन्त्र का मुख पृथ्वी की ओर कर दिया होगा!

हाँ, गुंथर महान! मैंने सब कुछ ठीक कर दिया है।

गुंथर जोश में अपने दोनों हाथ ऊपर उठाता है।

तो फिर, क्या देर है? शुरू करो किरणों की बौछारें...। हा..हा..हा.....

मूर्ख अब तुम कुछ नहीं कर सकते। पर मैं ख़ामोश ही रहूँ।

यान से कुछ किरणें निकलीं पर दूसरे ही क्षण वे धुएँ में बदलकर ग़ायब हो गयीं।

गुंथर चिल्लाता है! अमीबा का चित्र स्क्रीन पर उभरता है

अमीबा! यह क्या हो रहा है। किरणें क्यों बन्द की।

गुंथर, यन्त्र पूरी शक्ति से चल रहा है पर जाने क्या है? मैं देखता हूँ!

अमीबा का चित्र अदृश्य हो जाता है...

देखते रहो मूर्ख! पृथ्वी अभी भस्म हो जायेगी।

अमीबा थोड़ी देर बाद फिर प्रकट होता है...

गुंथर! गज़ब हो गया! यन्त्र की सारी सूर्य-ऊर्जा जाने कहाँ गयी?

virgo

यह सुनते ही गुंथर चौंक पड़ता है...

क्या कहते हो? यह कैसे हुआ? मैं तुम्हें यान से बाहर फेंक दूँगा। आलसी!

गुंथर मैं कुछ नहीं जानता! अब तो तीन दिन इन्तज़ार करना पड़ेगा।

फौलाद हँसते हुये...

बस करो गुंथर! तुममें पृथ्वी को नष्ट करने की शक्ति नहीं। तुम यह पागलपन छोड़कर अपने ग्रह वापिस चले जाओ। इसी में तुम्हारी भलाई है।

तू कौन होता है, मुझे समझाने वाला? मैं पृथ्वी पर ही रहूँगा या उसे नष्ट कर दूँगा!

यों क्यों नहीं कहते कि तुम अपने ग्रह वापिस नहीं जा सकते वरना मार दिये जाओगे, क्योंकि तुम अपने ग्रह से विनाश-कारी शस्त्र चुराकर भागे हो, किसी अन्य ग्रह पर अधिकार जमाने और वहाँ का राजा बनने का स्वप्न लिये!

चुप रह कमीने। तुम्हें यह सब कैसे मालूम हुआ, दुष्ट?

गुंथर फौलाद पर झपटता है और

दोनो हाथों से ऊपर उठा लेता है....

ऊपर उठते ही फौलाद फुर्ती से बैल्ट का बटन दबाता है। और तभी गुंथर को ऊपर उछाल देता है!

ओह! यह मुझे पटके.. इससे पहले बटन दबा दूँ!

फौलाद कलाबाज़ी खाता हुआ, नीचे आकर सलामत खड़ा हो जाता है।

यह देखकर गुंथर भौंचक्का रह जाता है। फौलाद उस पर हमला लगाता है...

अरे ! मैं समझा था, यह गिरकर मर जाएगा ...??

सम्भल गुंथर ! तूने मुझे उत्तेजित कर दिया है !

फौलाद गुंथर से भिड़ जाता है और दनादन घूंसे बरसाता है !

तभी एक रक्षक अपने शस्त्र से फौलाद को मारने आगे बढ़ता है। तभी लम्बू जेब में बैठे-बैठे चाकू फैंक कर उसे मारता है !

आह !

फौलाद गुंथर को उठा उठाकर पटक रहा था...

खुश्के या लम्बू !

ओह, दैट्स आलराइट!

तभी आठ-दस रक्षक एक साथ आकर फौलाद को पकड़ लेते हैं। मीशा अदृश्य रूप में फौलाद के सामने आकर खड़ी हो जाती है....

फौलाद, घबराना मत। मैं कोई भी वार रोकने के लिये तुम्हारे सामने खड़ी हूँ। निश्चिन्त रहो !

धन्यवाद मीशा, अब मैं गुंथर को भड़काता हूँ....

गुंथर उठकर फौलाद की तरफ लपकते हुए

अब मैं तुझे पृथ्वी के विनाश का नज़ारा देखने से पहले ही मार डालूंगा, नराधम !

तुम बड़े मूर्ख हो गुंथर ! क्यों अपने को खतरे में डाल रहे हो ?

गुंथर एक शस्त्र निकालकर फौलाद पर मारता है, लेकिन शस्त्र मीशा के प्रभाव से टुकड़े-टुकड़े हो जाता है।

फड़ा फ

गुंथर क्रोध से फौलाद पर झपटता है पर मीशा के प्रभाव से उलटकर पीछे गिरता है

तू अपनी शक्ति दिखा रहा है! ठहर!

आह!

अब हमें इस यान के शस्त्र तथा चालक मशीन नष्ट करते हुये इस यान को अंतरिक्ष में हमेशा के लिए भटकने के लिए छोड़ देना चाहिये। यह दुष्ट सीधा नहीं हो सकता। मैं तुम्हारा हाथ पकड़ लेती हूँ, तुम मेरे पीछे-पीछे आओ।

यही उचित है मीशा!

और मीशा फौलाद का हाथ पकड़ तेजी से एक ओर भागती है...

हो सकता है, इस काण्ड में यह विमान भी नष्ट हो जाये। अतः तुम मेरा हाथ मत छोड़ना, वरना अन्तरिक्ष में भटक जाओगे!

मीशा, वैसे मेरी पोशाक अन्तरिक्ष में भी मेरी रक्षा कर सकती है — तथा मेरे बैल्ट में फिट जैट मुझे पृथ्वी पर सकुशल उतारने में सक्षम है।

वे एक यन्त्र के पास आ जाते हैं...

इस यन्त्र के दायें हाथ वाला बटन खींच लो। यन्त्र बेकार हो जायेगा।

फौलाद बटन खींच लेता है यन्त्र में विस्फोट होता है....

धड़ धं

फौलाद तुरन्त मीशा के साथ दूसरी ओर भागता है....

तभी गुंथर अपने रक्षकों के साथ भागा हुआ उधर आता है

अरे! उस नराधम को पकड़ो- मार डालो !! वह यान के यन्त्रों और बहुमूल्य शस्त्रों को तोड़ रहा है। पीछा- करो..... !!

फौलाद दूसरे विशाल यन्त्र पर चढ़कर उसके ऊपर लगा विशाल पहिया उखाड़ कर फैंक देता है ....

वहाँ से छलाँग लगाकर

वह दूसरे यंत्रों को भी तोड़कर नष्ट कर देता है।

ईशा, कुछ ऐसा करो ताकि यह यान उसी सरोवर में गिरे....

तो जल्दी करो। कुछ ही समय में यान पृथ्वी के उसी क्षेत्र के ऊपर आने वाला है। अब उसका चालक यन्त्र ही तोड़ना बाकी है।

जल्दी उधर ही चलो, ईशा।

और कुछ ही देर में वे दौड़ते हुये उस चालक कक्ष पर पहुँच जाते हैं। फौलाद झपटकर कुर्सी पर बैठे चालक को कुर्सी समेत उठा लेता है और .....

उसी यन्त्र पर दे मारता है।

चलो फौलाद, जल्दी यान से बाहर निकलो। यान विस्फोट के साथ जल जायेगा।

फौलाद और मीशा दौड़ते हुये दरवाज़े से बाहर अंतरिक्ष में तैर जाते हैं।

और पृथ्वी की ओर उतरने लगते हैं...

उधर आकाश में विस्फोट होते ही डॉ॰जॉन तथा अन्य वैज्ञानिक बाहर निकल कर देखते हैं। वह यान पृथ्वी की ओर गिर रहा था।

अरे! यह तो वही गोला यान है। सरोवर की दिशा में गिर रहा है। चलो, जल्दी वहाँ पहुँचें!

और जलता हुआ विशाल यान सरोवर के जल पर तैर रहा था। यान से लपटें उठ रहीं थीं।

फौलाद अदृश्य मीशा के साथ वहीं उतरा।

लो मेरा काम पूरा हो गया फौलाद! अब मैं चलूँ। तुम यह बात राज ही रखना।

नहीं मीशा, तुम आज मेरे साथ भोजन करोगी। किसी को पता नहीं चलने दूँगा कि मेरे साथ कौन सी महान शक्ति थी।

तभी डॉ॰ जॉन तथा अन्य वैज्ञानिक वहाँ आ गये।

ओह, फौलाद! तुमने पृथ्वी को बचा लिया। पर यह सब तुमने कैसे किया?

यह राज की बात है, अंकल! इसे मत पूँछिए। बस इतना जान लीजिये कि अब पृथ्वी को कोई खतरा नहीं। इस घटना को सपने की तरह भुला दीजिये।

समाप्त

डायमंड बाल पाकेट बुक्स

बच्चों की पहली पसन्द

डायमंड बाल पाकेट बुक्स

लम्बू मोटू पिशाच का आतंक	2.00	आग के शोले	2.00
चाचा भतीजा और लंगड़ा राक्षस	2.00	राजस्थान की लोक कथाएं	2.00
चाचा चौधरी और खूनी दरिन्दे	2.00	महाराष्ट्र की लोक कथाएं	2.00
फौलादी सिंह और ज्यूपिटर की तबाही	2.00	लम्बू मोटू और खूनी पिशाच	2.00
लम्बू मोटू और प्रेत का हंगामा	2.00	फैन्टम और राकी	2.00
मौत से मुकाबला	2.00	फौलादी सिंह और पृथ्वी के देवता	2.00
जहरीला खूनी		चाचा भतीजा और तिलस्मी गुफाएं	2.00

सिख गुरुओं की श्रद्धेय जीवनियाँ

आकर्षक पाँच रंगे आवरण मे लेखक प्रियदर्शी प्रकाश

गुरु नानक देव	गुरु हर गोविन्द
गुरु अंगद देव	गुरु हर राय
गुरु अमर दास	गुरु हर कृष्ण
गुरु राम दास	गुरु तेगबहादुर
गुरु अर्जुन देव	गुरु गोविन्द सिंह

प्रत्येक का मूल्य 2.00

डायमंड कामिक्स 2715 दरिया गंज, नई दिल्ली-110002

रंग बिरंगे डायमंड कामिक्स

पूर्व प्रकाशित डायमंड कामिक्स

फौलादी सिंह

फौलादी सिंह और मृगी नद्दा	3.00
फौलादी सिंह, और खजाने के दीवाने	3.00
फौलादी सिंह और मूर्ख डाकू का आतंक	3.00
फौलादी सिंह और मौत का फन्दा	3.00
फौलादी सिंह और अदभुत मानव	3.00
फौलादी सिंह, और इंटरनेशनल गैंग	3.00
फौलादी सिंह, मौत से टक्कर	3.00
फौलादी सिंह और मूर्ति के चोर	3.00
फौलादी सिंह और मूर्ति का रहस्य	3.00

फौलादीसिंह

फौलादीसिंह और अन्तरिक्ष यानो के चोर	3.00
फौलादीसिंह और परमाणु बम्ब के चोर	3.00
फौलादीसिंह का सिकजा	3.00
फौलादीसिंह और अजनबी वह में	3.00
फौलादीसिंह और कारकोला का चक्रव्यूह	3.00
फौलादी सिंह और शैतान टारविल	3.00
फौलादीसिंह की टारविल के टक्कर	3.00
फौलादीसिंह और पृथ्वी के चोर	3.00
फौलादीसिंह और लोह मानव	3.00
फौलादीसिंह और विचित्र अण्डा	3.00
फौलादीसिंह और डोलोर का अन्त	3.00

मामा भाँजा

मामा भांजा और आतंक कथाएं	3.00
मामा भांजा और जादूई कलम	3.00
मामा भांजा और अलीबाबा चालीस चोर	3.00
मामा भांजा और राजपूतों के जोहर	3.00
मामा भांजा और मुगल खानदान	3.00
मामा भांजा और सिक्खों के गुरु	2.50
मामा भांजा और ईमानदारचोर	2.50

राजश्री

राजश्री और जादू का डण्डा	3.00
राजश्री और जादूगर सम्भा	3.00

चाचा भतीजा

चाचा भतीजा और अन्तरिक्ष के बौने	3.00
चाचा भतीजा और मौत की घाटी	3.00
चाचा भतीजा और मायावी राक्षस	3.00
चाचा भतीजा और जालिम जादूगरनी	3.00
चाचा भतीजा और विचित्र दानव	3.00
चाचा भतीजा की अम्बू की टक्कर	3.00
चाचा भतीजा और पर्वत देवता	3.00
चाचा भतीजा और नीलमणि	3.00
चाचा भतीजा और जादुई चिराग	3.00
चाचा भतीजा और खतरनाक जादूगर	3.00

बिल्लू

बिल्लू I	3.00
बिल्लू II	3.00

चाचा चौधरी

चाचा चौधरी और गब्बर सिंह से टक्कर	3.00
चाचा चौधरी और अकबरी खजाना	3.00
चाचा चौधरी और साबू का अपहरण	3.00
चाचा चौधरी अन्तरिक्ष में	3.00
चाचा चौधरी और आदमखोर	3.00
चाचा चौधरी और कैराटे सम्राट	3.00
चाचा चौधरी और बैंक के लुटेरे	3.00

लम्बू मोटू

लम्बू मोटू और वतन के मतवाले	3.00
लम्बू मोटू और तिरंगे के दुश्मन	3.00
लम्बू मोटू और मौत का कुंआ	3.00
लम्बू मोटू और रहस्यमय हत्यारा	3.00
लम्बू मोटू और नीलगढ़ी का खजाना	3.00
लम्बू मोटू मुर्दों की बस्ती में	3.00
लम्बू मोटू स्मगलरों के बीच	3.00

हिन्दी अंग्रेजी में एक साथ उपलब्ध

डायमण्ड कामिक्स 2715 दरिया गंज, नई दिल्ली-110002

बच्चों की नई ~~मासिक~~
रंग बिरंगी, मनभावन
पत्रिका

अंकुर

नये
डायमंड
कामिक्स

अपने निकट के
बुक स्टाल से खरीदें!

डायमंड कामिक्स

2715 दरिया गंज, नई दिल्ली-110002